CBSE Class 09 - Hindi A
Sample Paper 08 (2020-21)

Maximum Marks: 80
Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

- इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं।
- सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।

खंड - क (अपठित गद्यांश)

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

राष्ट्रीय भावना के अभ्युदय एवं विकास के लिए भाषा भी एक प्रमुख तत्व है। मानव-समुदाय अपनी संवेदनाओं, भावनाओं एवं विचारों की अभिव्यक्ति हेतु भाषा का साधन अपरिहार्यतः अपनाता है, इसके अतिरिक्त उसके पास कोई अन्य विकल्प नहीं है। दिव्य-ईश्वरीय आनंदानुभूति के संबंध में भले ही कबीर ने 'गूँगे केरी शर्करा' उक्ति का प्रयोग किया था, पर इससे उनका लक्ष्य शब्द रुपा भाषा के महत्व को नकारना नहीं था, प्रत्युत उन्होंने भाषा को 'बहता नीर' कहकर भाषा की गरिमा प्रतिपादित की थी।

विद्वानों की मान्यता है कि भाषा तत्व राष्ट्रहित के लिए अत्यावश्यक है। जिस प्रकार किसी एक राष्ट्र के भूभाग की भौगोलिक विविधताएँ तथा उसके पर्वत, सागर, सरिताओं आदि की बाधाएँ उस राष्ट्र के निवासियों के परस्पर मिलने-जुलने में अवरोधक सिद्ध हो सकती हैं, उसी प्रकार भाषागत विभिन्नता से भी उनके पारस्परिक संबंधों में निबांधता नहीं रह पाती। आधुनिक विज्ञान युग में यातायात एवं संचार के साधनों की प्रगति से भौगोलिक बाधाएँ अब पहले की तरह बाधित नहीं करतीं। इसी प्रकार यदि राष्ट्र की एक संपर्क भाषा का विकास हो जाए तो पारस्परिक संबंधों के गतिरोध बहुत सीमा तक समाप्त हो सकते हैं।

मानव-समुदाय को एक जीवित जाग्रत एवं जीवंत शरीर की संज्ञा दी जा सकती है और उसका अपना एक निश्चित व्यक्तित्व होता है। भाषा अभिव्यक्ति के माध्यम से इस व्यक्तित्व को साकार करती है, उसके अमूर्त, मानसिक, वैचारिक स्वरूप को मूर्त एवं बिंबात्मक रूप प्रदान करती है। मनुष्यों के विविध समुदाय हैं, उनकी विविध भावनाएँ हैं, विचारधाराएँ हैं, संकल्प एवं आदर्श हैं, उन्हें भाषा ही अभिव्यक्त करने में सक्षम होती है। साहित्य, शास्त्र, गीत-संगीत आदि में मानव-समुदाय अपने आदशों, संकल्पनाओं, अवधारणाओं एवं विशिष्टताओं को वाणी देता है, पर क्या भाषा के अभाव में काव्य, साहित्य, संगीत आदि का अस्तित्व संभव है?

वस्तुतः ज्ञानराशि एवं भावराशि का अपार संचित कोश, जिसे साहित्य का अभिधान दिया जाता है, शब्द-रूप ही तो है। अतः इस संबंध में वैमत्य की किंचित गुंजाइश नहीं है कि भाषा ही एक ऐसा साधन है, जिससे मनुष्य एक-दूसरे के निकट आ सकते हैं, उनमें परस्पर घनिष्ठता स्थापित हो सकती है। यही कारण है कि एक भाषा बोलने एवं समझने वाले लोग परस्पर एकानुभूति

रखते हैं, उनके विचारों में ऐक्य रहता है। अतः राष्ट्रीय भावना के विकास के लिए भाषा-तत्व परम आवश्यक है।

i. भाषा मानव-समुदाय के लिए आवश्यक क्यों है? **(2)**

ii. कबीर ने 'गूँगे केरी शर्करा' के माध्यम से क्या कहना चाहा था? उन्होंने भाषा की महत्ता किस तरह प्रतिपादित की थी? **(2)**

iii. राष्ट्रहित में भाषागत एकता की महत्ता स्पष्ट कीजिए। **(2)**

iv. 'भाषा मनुष्य के व्यक्तित्व को साकार करती है।' स्पष्ट कीजिए। **(2)**

v. राष्ट्रीय भावना के विकास के लिए किस चीज़ की परम आवश्यकता है?**(2)**

vi. उपर्युक्त गद्यांश का एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए। **(1)**

खंड - ख (व्याकरण)

2. 'अतिरिक्त' शब्द में से उपसर्ग और मूल शब्द अलग कीजिए।
   a. अ + तिरिक्त
   b. अति + रिक्त
   c. अत + रिक्त
   d. अत्य + रिक्त
3. 'स' उपसर्ग युक्त शब्द हैं -
   a. सन्मित्र, संहार
   b. सहित, सपरिवार
   c. सञ्चालन, सम्मान
   d. सच्चरित्र, सन्मार्ग
4. 'यायावरी' शब्द में से मूल शब्द और प्रत्यय अलग कीजिए।
   a. यया + वरी
   b. याय + वारी
   c. याया + वरी
   d. यायावर + ई
5. 'अन' प्रत्यय लगाकर दो नए शब्द लिखिए।
   a. सामान, सामान्य
   b. गमन, चलन
   c. घराना, रोजाना
   d. सम्मान, चालान
6. 'नीलगाय' शब्द का समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए।
   a. नील गाय - समास विग्रह
      द्विगु समास - समास का नाम
   b. नीली है जो गाय - समास विग्रह
      कर्मधारय समास - समास का नाम

c. गाय नीली - समास विग्रह

द्वंद्व समास - समास का नाम

d. नीली है जो गाय - समास विग्रह

बहुव्रीहि समास - समास का नाम

7. साफ़ - साफ़ - शब्द का समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए।

a. साफ़ होने वाला - समास विग्रह

कर्मधारय समास - समास का नाम

b. सफाई के अनुसार - समास विग्रह

द्वंद्व समास - समास का नाम

c. जितना साफ हो - समास विग्रह

अव्ययीभाव समास - समास का नाम

d. बिलकुल स्पष्ट - समास विग्रह

अव्ययीभाव समास - समास का नाम

8. 'सात सौ दोहों का समूह' समास विग्रह का उचित समस्त पद और समास का नाम दिए गए विकल्पों में से चुनिए।

a. सतसई - समस्त पद

द्विगु समास - समास का नाम

b. सप्तसमूह - समस्त पद

बहुव्रीहि समास - समास का नाम

c. सप्तपद - समस्त पद

कर्मधारय समास - समास का नाम

d. सातसाईं - समस्त पद

द्वंद्व समास - समास का नाम

9. 'पीताम्बर' शब्द का समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए।

a. पीत अंबर - समास विग्रह

तत्पुरुष समास - समास का नाम

b. पीत (पीला) है अंबर (वस्त्र) जिसका अर्थात श्रीकृष्ण - समास विग्रह

अव्ययीभाव समास - समास का नाम

c. पीत (पीला) है अंबर (वस्त्र) जिसका अर्थात श्रीकृष्ण - समास विग्रह

बहुव्रीहि समास - समास का नाम

d. पीत (पीला) है अंबर (वस्त्र) जिसका अर्थात श्रीकृष्ण - समास विग्रह

कर्मधारय समास - समास का नाम

10. अर्थ की दृष्टि से वाक्य के भेदों की संख्या _________ है।

a. आठ

b. दस

c. छह

d. सात

11. अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद बताइए - " उसने कोई उपाय नही छोड़ा। "

a. आज्ञावाचक

b. निषेधवाचक

c. विधानवाचक

d. इच्छावाचक

12. जिन वाक्यों में किसी से कोई बात पूछी जाए, उन्हें ________वाक्य कहते हैं।

a. संकेतवाचक वाक्य

b. संदेहवाचक वाक्य

c. प्रश्नवाचक वाक्य

d. आज्ञावाचक वाक्य

13. जिन वाक्यों से कार्य के होने में संदेह या सम्भावना का बोध हो, वे कहलाते हैं -

a. संदेहवाचक वाक्य

b. सम्भावनावाचक वाक्य

c. संकेतवाचक वाक्य

d. सन्देशवाहक वाक्य

14. जहाँ एक या एक से अधिक वर्णों की बार-बार आवृत्ति से चमत्कार उत्पन्न हो, वहां कौन-सा अलंकार होता है?

a. यमक

b. श्लेष

c. उपमा

d. अनुप्रास

15. शब्दालंकार के प्रमुख कितने भेद हैं?

a. चार

b. दो

c. पाँच

d. तीन

16. जब किसी शब्द की आवृत्ति एक से अधिक बार हो, हर बार उस शब्द का अर्थ भिन्न हो। वहाँ कौन-सा अलंकार होता है?

a. यमक

b. उपमा

c. अनुप्रास

d. श्लेष

17. कोई विशिष्ट शब्द जब एक से अधिक अर्थ व्यक्त करे, तो वहां कौन-सा अलंकार होता है ?

   a. श्लेष
   b. उपमा
   c. अनुप्रास
   d. यमक

खंड - ग (पाठ्य पुस्तक)

18. **निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**

प्रेमचंद का एक चित्र मेरे सामने है, पत्नी के साथ फोटो खिंचा रहे हैं। सिर पर किसी मोटे कपड़े की टोपी, कुरता और धोती पहने हैं। कनपटी चिपकी है, गालों की हड्डियाँ उभर आई हैं, पर घनी मूँछे चेहरे को भरा-भरा बतलाती हैं।

पाँवों में केनवस के जूते हैं, जिनके बंद बेतरतीब बँधे हैं। लापरवाही से उपयोग करने पर बंद के सिरों की लोहे की पतरी निकल जाती है और छेदों में बंद डालने में परेशानी होती है। तब बंद कैसे भी कस लिए जाते हैं।

   1. लेखक के सामने किसका चित्र है? चित्र के आधार पर उसकी वेशभूषा का वर्णन कीजिए।
   2. जूतों के बंद को बेतरतीब से क्यों बाँध लिया गया है?
   3. चित्र के आधार पर व्यक्ति की दो स्वाभाविक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

19. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

   a. लॉरेंस की पत्नी फ्रीडा ने ऐसा क्यों कहा होगा कि- मेरी छत पर बैठने वाली गौरैया लॉरेंस के बारे में ढेर सारी बातें जानती है?
   b. ल्हासा की ओर पाठ में लेखक लङ्कोर के मार्ग में अपने साथियों से किस कारण पिछड़ गया?
   c. कांजी हौस में किन्हें कैद किया जाता है तथा उनके साथ कैसा व्यवहार होता है?
   d. हीरा-मोती गया के साथ क्यों नहीं जाना चाहते थे?
   e. लेखक की नजर प्रेमचंद के जूतों पर क्यों अटक गई?

20. **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

तुझे मिली हरियाली डाली,
मुझे नसीब कोठरी काली!
तेरा नभ-भर में संचार
मेरा दस फुट का संसार!
तेरे गीत कहावें वाह,
रोना भी है मुझे गुनाह!
देख विषमता तेरी मेरी,
बजा रही तिस पर रणभेरी!
इस हुंकृति पर,
अपनी कृति से और कहो क्या कर दूँ?
कोकिल बोलो तो!

मोहन के व्रत पर,

प्राणों का आसव किसमें भर दें!

कोकिल बोलो तो!

i. 'मेरा दस फुट का संसार' के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है?
ii. कोयल और कैदी के बीच की समानता को स्पष्ट कीजिए।
iii. 'देख विषमता तेरी-मेरी' में किस विषमता की ओर संकेत किया गया है?

21. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:
   a. कवयित्री ललद्यद ने प्रभु की प्राप्ति में कौन-कौन सी बाधाओं का वर्णन किया है?
   b. भाव स्पष्ट कीजिए- आँधी पीछै जो जल बूठा, प्रेम हरि जन भींनाँ।
   c. काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए-

      तेरी गीत कहावें वाह, रोना भी है मुझे गुनाह !

      देख विषमता तेरी-मेरी, बाज रही तिस पर रणभेरी!
   d. रसखान का ब्रजभूमि के प्रति विशेष प्रेम अभिव्यक्त हुआ है। यह प्रेम हमें क्या सीख देता है?
   e. श्रीकृष्ण ने ब्रजवासियों को अपने वश में किस प्रकार कर रखा था?

22. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 3 के उत्तर दीजिये:
   a. बच्चे काम पर जा रहे हैं कविता की पहली दो पंक्तियों को पढ़ने तथा विचार करने से आपके मन-मस्तिष्क में जो चित्र उभरता है उसे लिखकर व्यक्त कीजिए।
   b. लेखिका की नानी भी आज़ादी की जुनूनी थी। उन्होंने स्वतंत्रता के लिए अपना योगदान किस तरह दिया?
   c. आज माटी वाली बुड्ढे को कोरी रोटियाँ नहीं देगी - इस कथन के आधार पर माटी वाली के हृदय के भावों को अपने शब्दों में लिखिए।

खंड - घ (लेखन)

23. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिये:
   a. **ट्रैफिक जाम में फंसा मैं** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।
      - ट्रैफिक की समस्या का आधार
      - लोगों की जल्दबाजी और व्यवस्था की कमी
      - सुधार उपाय
   b. **इंटरनेट का जीवन में उपयोग** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।
      - इंटरनेट क्या है?
      - लाभ-समय की बचत, शिक्षा में सहायक
      - उपयोग के सुझाव
   c. **बढ़ते उद्योग कटते वन** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।
      - भूमिका

- वृक्षों से लाभ
- वृक्षों की कटाई और उसके दुष्परिणाम
- वृक्षारोपण
- उपसंहार

24. नवभारत समाचार-पत्र में भारतीय स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया में लिपिक पद के लिए आवेदन-पत्र मांगे गए हैं। अपनी शैक्षिक योग्यताओं का उल्लेख करते हुए बैंकिंग सेवा भर्ती बोर्ड के सचिव को पत्र लिखिए।

OR

विद्यालय से कुछ छात्रों के साथ आप भी चिड़ियाघर देखने गए थे। वहाँ प्राप्त अनुभव को पत्र द्वारा अपने मित्र को बताइए।

25. दो मित्रों में परस्पर होने वाली बातचीत को लिखिए।

OR

लाउडस्पीकर के बढ़ते शोर पर दो छात्राओं के मध्य होने वाले संवाद को लिखिए।

26. **सोशल साइट्स की कहानी** विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।

OR

लॉकडाउन में गरीब विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।

09 Hindi-A SP-08

Class 09 - Hindi A

Solution

खंड - क (अपठित गद्यांश)

1. i. भाषा मानव-समुदाय के लिए इसलिए आवश्यक है क्योंकि मनुष्य भाषा के माध्यम से ही अपने भाव-विचार दूसरों तक पहुँचता है और भाषा के माध्यम से ही वह दूसरों के विचारों से अवगत होता है। इस प्रकार भाषा मानव-समाज में एकता बनाए रखने का सशक्त माध्यम है।
   ii. 'गूँगे केरी शर्करा' के माध्यम से कबीर ने कहना चाहा था कि आनंद की अनुभूति के लिए भाषा आवश्यक नहीं है, क्योनी गूँगा गुड़ का आनंद लेकर भी उसकी अभिव्यक्ति नहीं कर पाता। संत कबीर ने भाषा को 'बहता नीर' कहकर उसकी महत्ता प्रतिपादित की है।
   iii. राष्ट्रहित के लिए भाषागत एकता परमावश्यक तत्व है। जिस प्रकार किसी राष्ट्र की भौगोलिक विविधताएँ, वहाँ के पर्वत, सागर, सरिताएँ आदि बाधाएँ राष्ट्र के लोगों के परस्पर मिलन में बाधक सिद्ध होती हैं, उसी प्रकार विभिन्न भाषाएँ भी एकता में बाधक सिद्ध होती हैं। अतः राष्ट्र के लिए भाषागत एकता आवश्यक है।
   iv. मानव-समाज को एक जीवित, जाग्रत एवं जीवंत शरीर कहा जा सकता है। उसका अपना एक निश्चित व्यक्तित्व होता है। भाषा इस समाज के अमूर्त, मानसिक, वैचारिक स्वरूप को मूर्त एवं बिंबात्मक रूप प्रदान करती है। भाषा अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है, जो मानव-समाज के व्यक्तित्व को साकार करती है।
   v. राष्ट्रीय भावना के विकास के लिए भाषा-तत्व की परम आवश्यकता है।
   vi. शीर्षक-राष्ट्रीयता और भाषा-तत्व।

खंड - ख (व्याकरण)

2. (b) अति + रिक्त

   Explanation: 'अतिरिक्त' शब्द में 'अति' उपसर्ग है और 'रिक्त' मूल शब्द है।
3. (b) सहित, सपरिवार

   Explanation: 'सहित' और 'सपरिवार' में 'स' उपसर्ग हैं और मूल शब्द क्रमशः 'हित' और 'परिवार' हैं ।
4. (d) यायावर + ई

   Explanation: 'यायावरी' में 'यायावर' मूल शब्द और 'ई' प्रत्यय है।
5. (b) गमन, चलन

   Explanation: 'गमन' और 'चलन' में क्रमशः 'गम' और 'चल' मूल शब्द हैं और 'अन' प्रत्यय है।
6. (b) नीली है जो गाय - समास विग्रह

   कर्मधारय समास - समास का नाम

   Explanation: इसका समास विग्रह नीली है जो गाय होगा और समास कर्मधारय है क्योंकि यहाँ विशेषण - विशेष्य का संबंध है।

7. (d) बिलकुल स्पष्ट - समास विग्रह

   अव्ययीभाव समास - समास का नाम

   Explanation: यहाँ अव्ययीभाव समास है क्योंकि ये दोनों ही पद अव्यय हैं।

8. (a) सतसई - समस्त पद

   द्विगु समास - समास का नाम

   Explanation: यहाँ पूर्व पद (सप्त) संख्यावाची विशेषण है इसलिए यहाँ द्विगु समास होगा।

9. (c) पीत (पीला) है अंबर (वस्त्र) जिसका अर्थात श्रीकृष्ण - समास विग्रह

   बहुव्रीहि समास - समास का नाम

   Explanation: समास विग्रह का अन्य अर्थ निकलने के कारण यहाँ बहुव्रीहि समास है।

10. (a) आठ

    Explanation: अर्थ के आधार पर वाक्य के 8 (आठ) भेद हैं ।

11. (b) निषेधवाचक

    Explanation: 'नही' का प्रयोग निषेधवाचक वाक्य में किया जाता है ।

12. (c) प्रश्नवाचक वाक्य

    Explanation: जिन वाक्यों में बात या प्रश्न पूछा जाए, उन्हें प्रश्नवाचक वाक्य कहते हैं।

13. (a) संदेहवाचक वाक्य

    Explanation: संदेह व संभावना को संदेहवाचक वाक्यों द्वारा व्यक्त किया जाता है।

14. (d) अनुप्रास

    Explanation: अनुप्रास I जैसे- मुदित महीपति मंदिर आए। ('म' वर्ण की आवृत्ति बार- बार है)

15. (d) तीन

    Explanation: शब्दालंकार के प्रमुख तीन भेद हैं -अनुप्रास ,यमक और श्लेष I

16. (a) यमक

    Explanation: यमक। जैसे - काली घटा का घमंड घटा। (घटा- बादलों की घटा, कम हुआ) 'घटा' शब्द की आवृत्ति एक से अधिक बार हुई है।

17. (a) श्लेष

    Explanation: श्लेष I जैसे- मंगन को देखि पट देत बार-बार है। (पट- दरवाजा, पट-वस्त्र) 'पट' शब्द जब एक से अधिक अर्थ व्यक्त कर रहा है I

खंड - ग (पाठ्य पुस्तक)

18. i. लेखक के सामने हिंदी साहित्य के प्रसिद्ध कहानीकार मुंशी प्रेमचंद का चित्र है। इस चित्र में उनकी वेशभूषा अत्यंत साधारण है। उनके सिर पर मोटे कपड़े की टोपी है। उन्होंने धोती और कुरता पहना है। उनके पावों में कैनवस के जूते हैं जिनके बंद लापरवाही से बाँध दिए गए हैं और जिनकी पतरी बाहर निकल आई है। उनके एक पाँव में जूता फटा हुआ है जिसमें से उंगली निकल रही है।

    ii. चित्र में दिख रहे व्यक्ति ने अपने जूतों के बंद को बेतरतीब से इसलिए बाँध लिया है क्योंकि वे बनावटीपन से दूर हैं। जब

जूतों और बंद को लापरवाही से प्रयोग किया जाता है तो बंद के सिरों पर लगी लोहे की पतरी निकल जाती है। इससे जूतों में बने छेदों में बंद डालने में परेशानी होती है।

iii. चित्र के आधार पर व्यक्ति की दो स्वाभाविक विशेषताएँ निम्नलिखित हैं-
   i. व्यक्ति सादा जीवन उच्च विचार वाला और दिखावे से कोसों दूर रहने वाला है।
   ii. वह व्यक्ति सादगी पसंद और गाँधीवादी विचारधारा को मानने वाला है।

19. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

a. सालिम अली की तरह लॉरेंस को भी प्रकृति और पक्षियों से लगाव था। उनका सारा समय अपने आस-पास की पर्यावरणीय गतिविधियों को जानने तथा पक्षियों के बारे में जानकारी एकत्र करने में बीतता था | उनकी छत पर बैठने वाली गोरैया के साथ ही उनका अधिकतर समय बीतता था इसलिए फ्रीड़ा ने ऐसा कहा होगा कि 'मेरी छत पर बैठने वाली गौरैया लॉरेंस के बारे में ढेर सारी बातें जानती है।"

b. लेखक लङ्कोर के मार्ग में अपने साथियों से निम्नलिखित कारणों से पिछड़ गया-
   i. लेखक का घोड़ा सुस्त था इसलिए वह धीरे-धीरे चल रहा था।
   ii. घोड़ा धीरे चलने के कारण लेखक अपने साथियों से पिछड़ गया |
   iii. दूसरे रास्ते पर डेढ़-दो मील चलने पर लेखक को लगा कि वह गलत रास्ते पर आ गया है | वहाँ से वह फिर वापस आकर दूसरे रास्ते पर गया।

c. कांजीहौस में उन लावारिस जानवरों को बंद किया जाता है जो दूसरों की फसलों को चर जाते हैं या अन्य तरीके से नुकसान पहुँचाते हैं। वहाँ बंद जानवरों के साथ अत्यंत ही क्रूर व्यवहार किया जाता है, जो संवेदनाशून्य होता है । उन्हें केवल पानी के सहारे जिंदा रखा जाता है और वह भी इतना ही दिया जाता है कि वे मरे नहीं। भोजन तो बस नाम मात्र का ही दिया जाता है और कभी-कभी नहीं भी दिया जाता है | यदि वे भागने का प्रयास करते हैं तो उन पर डंडे बरसाए जाते हैं। ऐसे कई जानवर जब एकत्र हो जाते हैं तो उन्हें नीलाम कर दिया जाता है।

d. हीरा-मोती का मालिक झूरी उन्हें बहुत चाहता था। वह बैलों के चारा-पानी का ध्यान रखते हुए लगाव रखता था। हीरा-मोती भी अपने मालिक झूरी को बेहद प्यार करते थे और खुशी-खुशी उसका सारा काम करते थे। ऐसे में जब झूरी का साला गया उन्हें ले जाने लगा तो उन्होंने सोचा कि उनके मालिक ने उन्हें बेच दिया गया। उनकी समझ में नहीं आ रहा था कि उनके मालिक ने ऐसा क्यों किया | वे झूरी के लिए अपनी जान लगाकर काम करना चाहते थे, पर उन्हें अपना यूं बेचा जाना पंसद न था इसलिए वे गया के साथ नहीं जाना चाहते थे।

e. लेखक की नजर प्रेमचंद के जूतों पर इसलिए अटक गई क्योंकि प्रेमचंद महान कथाकार, युग प्रवर्तक आदि नामों से जाने जाते हैं। ऐसे व्यक्ति के पास ढंग के जूते भी नहीं थे। जो जूते उन्होंने पहने हुए थे उनके भी फीते बड़ी ही लापरवाही से बंधे हुए थे। बेतरतीबी से बंधे होने के कारण उनकी पतरी बाहर निकल आई थी। बाएँ पैर का जूता फटने से उँगली बाहर निकल आई थी। ये जूते लेखक की बदहाली बयाँ कर रहे हैं।

20. i. 'मेरा दस फुट का संसार' से कवि कहना चाहता है कि उसे जिस कोठरी में बंद किया गया है वह बहुत छोटी है और उसकी दुनिया इसी में सिमट कर रह गई है।

ii. कोयल और कैदी दोनों ही गुलाम देश के वासी हैं। अंग्रेजों द्वारा किए जा रहे अत्याचारों के कारण वे दोनों ही दुखी हैं।जहाँ कोयल की हूक में वेदना भरी हुई है वहीं कवि का दर्द उसकी रचनाओं में छिपा है। कोयल आज़ादी का संदेश दे रही है तो

कवि अपनी कृतियों से लोगों जोश भर रहा है।

iii. 'देख विषमता तेरी-मेरी' के माध्यम से कवि और कोयल के बीच अंतर को स्पष्ट किया गया है। कोयल हरे-भरे पेड़ों की डालियों पर उड़ती फिर रही है और कवि दस फुट की कोठरी में कैदी जीवन बिता रहा है। गीत गाने पर कोयल को प्रशंसा मिलती है पर कवि का तो रोना भी गुनाह माना जाता है | वह खुले का आसमान में उड़ रही है पर कवि का जीवन तो उसकी काल कोठरी में ही सिमट गया है |

21. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

a. कवयित्री ललयद ने प्रभु की प्राप्ति में निम्नलिखित बाधाओं का वर्णन किया है-

 i. मनुष्य सांसारिक विषय-भोगों में पड़कर प्रभु-प्राप्ति के लक्ष्य से भटक जाता है।
 ii. मनुष्य आडंबरपूर्ण और दिखावे की भक्ति करता है जिससे उसमें भक्ति का घमंड पैदा हो जाता है और घमंड प्रभु प्राप्ति के मार्ग में बाधक बन जाता है।
 iii. मनुष्य का शरीर नश्वर तथा क्षणभंगुर है, जिससे परमात्मा को पाने की लंबी डगर तय कर पाना कठिन हो जाता है।

b. ज्ञान की आँधी के पश्चात मानव का मन साफ एवं सांसारिकता से मुक्त हो जाता है और प्रभु की भक्ति में रमने लगता है। प्रभु-भक्ति रुपी ज्ञान की वर्षा के कारण मन प्रेम रुपी जल से भीग जाता है और मनुष्य का मन आनंदित हो उठता है। कहने का अभिप्राय है कि ज्ञान की प्राप्ति के पश्चात मनुष्य का मन आनंदित हो उठता है। उनका अज्ञान पूरी तरह मिट जाता है।

c. **भाव-सौंदर्य-** यहाँ कवि ने अपने और कोयल के जीवन के अंतर को स्पष्ट करते हुए कहा है कि कोयल के कर्णप्रिय गीतों को सुनकर लोग वाह-वाह करते हैं जबकि स्वतंत्रता सेनानियों को तो रोने भी नहीं दिया जाता है। उनके बोलने पर उन्हें गालियाँ दी जाती हैं। वे चुपचाप यंत्रणाएँ सहने को विवश हैं। इतना अंतर होने के बाद भी कोयल रणभेरी बजा रही है।

 शिल्प-सौंदर्य-

 - पंक्तियों में तत्सम शब्दयुक्त खड़ी बोली का प्रयोग है।
 - मुहावरा-'रणभेरी बजाना' के प्रयोग से भाषा में सजीवता और सुंदरता आ गई है।
 - 'तेरी-मेरी', 'वाह-गुनाह' में मैत्री तथा अनुप्रास अलंकार है।
 - 'गुनाह'-उर्दू-फारसी के शब्द का प्रयोग किया गया है।

d. रसखान कृष्ण से प्रेम करते हैं साथ ही कृष्ण से जुड़ी ब्रजभूमि के वन, बाग, तालाबों आदि के प्रति भी अपना प्रेम प्रकट करते हैं। इससे हमें यह सीख मिलती है कि हमें भी अपनी मातृभूमि के एक-एक तत्त्व से प्रेम करना चाहिए। यह हमारा पालन-पोषण तो करती है साथ ही हमें बलिष्ठ बनाती है। अपनी मातृभूमि पर आने वाले हर संकट का वीरतापूर्वक सामना करके इसकी रक्षा करनी चाहिए।

e. श्रीकृष्ण का रूप अत्यंत मोहक है। उनकी मधुर मुस्कान एक ओर जहाँ उनकी सुंदरता को और बढ़ाती है वहीं दूसरी ओर ब्रजवासियों को अपनी ओर आकर्षित कर लेती है। इसके अलावा उनकी मुरली की मधुर तान तथा उनका गोधन गायन लोगों पर जादू-सा असर करता है। इस तरह कृष्ण ने ब्रजवासियों को अपने वश में कर रखा था।

22. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 3 के उत्तर दीजिये:

a. कविता की पहली दो पंक्तियाँ पढ़कर हमारे मन में बच्चों के प्रति करुणा तथा व्यवस्था के प्रति आक्रोश का भाव जाग्रत होता है। सर्दी तथा कोहरे में बच्चों को घर में होना चाहिए। यह उम्र उनके खेलने-कूदने की है। उन्हें पढ़ने के लिए विद्यालय

जाना चाहिए और खेलना चाहिए। पर यह बच्चों की विंडबना ही है कि इस उम्र में उन्हें अपनी जीविका चलने के लिए काम पर जाना पड़ रहा है। पता नहीं इस राष्ट्रीय समस्या का समाधान कब होगा।

b. लेखिका की नानी शुरू से ही विद्रोहिणी स्वभाव की थी। उन्होंने अपने साहब पति के सामने अपनी इच्छा तथा विद्रोह कभी प्रकट न होने दिया। वे स्वतंत्र विचारों वाली महिला थीं। वे देश की आज़ादी तथा नारियों की आज़ादी के लिए सजग तथा चिंतित थीं पर पति का साहबी रोब-दाब में ये सब मन में ही रखने को विवश थीं। अपने मरने का समय निकट जानकर उन्होंने यह विद्रोह अपने पति के ही सामने उनके स्वाधीनता सेनानी मित्र प्यारेलाल शर्मा के सामने प्रकट कर दिया। उन्होंने अपनी पंद्रह वर्षीय बेटी (लेखिका की माँ) की शादी स्वतंत्रता सेनानी नवयुवक से करने की इच्छा प्रकट कर दी। इस प्रकार उन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना अप्रत्यक्ष योगदान दिया।

c. माटी वाली को घर-घर माटी पहुँचाने से इतनी आय नहीं हो पाती थी कि वह कुछ साग या सब्जी खरीद सके। उसे घर की मालकिनों से जो एक-दो रोटियाँ मिल जाती थीं उन्हें ही बचाकर अपने बीमार पति (बूढ़े) के लिए ले जाती थी। वह इन रोटियों को साग या सब्जी के बिना ही खा लिया करता था। माटी वाली इस बात से दुखी है पर विवश है कि वह कुछ कर भी नहीं सकती है। उस दिन जब वह तीन रोटियाँ बचाकर ले जा रही थी तो सोच रही थी कि आज वह कुछ प्याज (एक-पाव) खरीद कर ले जाएगी और अपने बूढ़े को रोटियों के साथ प्याज कूटकर देगी। रोज सूखी रोटियाँ खाने वाला उसका बीमार पति आज तो प्याज के साथ रोटियाँ खा लेगा।

खंड - घ (लेखन)

23. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिये:

a. **ट्रैफिक की समस्या का आधार-** विज्ञान ने आज हमारी जीवन शैली को पूरी तरह बदल दिया है विज्ञान के आविष्कारों में से एक महत्त्वपूर्ण आविष्कार है यातायात के साधन, जिससे हम मीलों की दूरी कूछ ही समय में सहजता से पूरी कर लेते हैं जिसे पूरा करने में प्राचीन समय में महीनों लग जाते थे। वर्तमान समय में अधिकांश लोगों के पास अपने निजी वाहन कार, मोटरसाइकिल, स्कूटर आदि हैं जो सड़कों पर जाम की दिनों -दिन बढ़ती समस्या का सबसे बड़ा कारण हैं।

लोगों की जल्दबाजी और व्यवस्था की कमी- आज हर व्यक्ति जल्दी में नजर आता है और इसी जल्दबाज़ी के कारण सड़क पर जाम लग जाता है। बाइक, कार-सवार अपनी लेन में चलने के स्थान पर दूसरे को ओवर टेक करते हैं तथा ट्रैफिक पुलिस के द्वारा सख्ती से अपने कर्तव्य पालन न करने के कारण इसे बढ़ावा मिलता है।

सुधार के उपाय- ट्रैफिक जाम की समस्या से मुक्ति पाने के लिए सरकार को ट्रैफिक के कड़े नियम बनाने चाहिए तथा सख्ती से उन्हें लागू करना चाहिए। इसके साथ ट्रैफिक के नियमों के बारे में लोगों को जागरूक करना चाहिए। सभी के सम्मिलित प्रयासों से ही इस समस्या से निजात मिल सकता है।

b. **इंटरनेट क्या है?** - आधुनिक युग सूचना प्रोद्यौगिकी का युग है। आज का विश्व विज्ञान के दृढ़ स्तम्भ पर टिका है। विज्ञान ने मनुष्य को अनेक शक्तियाँ, सुख-सुविधाएँ तथा क्रान्तिकारी उपकरण दिए हैं, जिनमें इन्टरनेट एक अत्यधिक महत्वपूर्ण, बलशाली एवं गतिशील सूचना का माध्यम है। सन् 1986 में इन्टरनेट का आरम्भ हुआ था। यह अनेक कम्प्यूटरों का एक जाल है, जिसके सहयोग से आज का मनुष्य विश्व के किसी भी भाग से किसी भी प्रकार की सूचना प्राप्त कर सकता है।

लाभ-समय की बचत, शिक्षा में सहायक - इंटरनेट से सारी दुनिया हमारी मुट्ठी में आ गई है। बस, एक बटन दबाइए सब कुछ क्षण भर में आँखों के सामने उपस्थित हो जाता है। इसने दुनिया के सभी लोगों को जोड़ दिया है। ज्ञान के क्षेत्र में अद्भुत क्रान्ति आ गई है। ज्ञान, विज्ञान, खेल, शिक्षा, संगीत, कला, फिल्म, चिकित्सा आदि सबकी जानकारी इंटरनेट से

उपलब्ध है। इससे देश-विदेश के समाचार, मौसम, खेल सम्बन्धी ताजा जानकारी प्राप्त होती हैं। इन्टरनेट से विज्ञान, व्यवसाय व शिक्षा के क्षेत्र में अनेक कार्य होने लगे हैं, जिससे समाज में बेरोजगारी समाप्त हो सकती है।

उपयोग के सुझाव - इंटरनेट सभी के लिए उपयोगी है लेकिन इसका प्रयोग करते समय सावधानी बरतने की आवश्यकता होती है जिससे हमारा डाटा सुरक्षित रह सकता है। इसका दुरुपयोग होने से भी बचाया जा सकता है। जल्दबाजी करने से हमारी सूचना व धन किसी दूसरे के पास पहुँच सकते हैं। अतः हमें इंटरनेट का प्रयोग करते समय अत्यंत सावधानी बरतनी चाहिए।

c. **भूमिका-** ईश्वरीय सृष्टि की अद्भुत, अलौकिक रचना प्रकृति है। मनुष्य ने प्रकृति की गोद में आँखें खोली हैं एवं प्रकृति ने ही मनुष्य का पालन-पोषण किया है, दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। उद्योगों के बढ़ने से वनों की कटाई बढ़ती जा रही है।

वृक्षों से लाभ- मनुष्य का सम्पूर्ण जीवन पेड़-पौधों पर आश्रित रहता है। पेड़-पौधों की लकड़ी विभिन्न रूपों में मनुष्य के काम आती है। वृक्षों से हमें फल-फूल, जड़ी-बूटियाँ आदि प्राप्त होती हैं। शुद्ध वायु एवं तपती दोपहर में छाया वृक्षों से ही प्राप्त होती है। वृक्ष वर्षा में सहायक होते हैं एवं भूमि को उर्वरक बनाते हैं।

वृक्षों की कटाई और उसके दुष्परिणाम- जनसंख्या के दबाव, शहरों का विस्तार, फैक्ट्रयों के लिए भूमि की कमी को दूर करने के लिए वृक्षों की व्यापक पैमाने पर कटाई मनुष्य के द्वारा की जा रही है, जिसके परिणामस्वरूप प्रदूषण का बढ़ना एवं प्राकृतिक आपदाओं से विनाश का खतरा बढ़ता जा रहा है।

वृक्षारोपण- देर से सही, मनुष्य ने वृक्षों के महत्व को स्वीकारा तो है। वन विभाग द्वारा नये वृक्षों का रोपण किया जा रहा है एवं पुराने वृक्षों का संरक्षण किया जा रहा है। लोगों को जागरूक करने के लिए वन महोत्सव प्रारम्भ किया गया है जो जुलाई मास में मनाया जाता है जिसमें व्यापक रूप से वृक्षारोपण कार्यक्रम चलाया जाता है।

उपसंहार- आज आवश्यकता इस बात की है कि मनुष्य प्रकृति से जुड़े। यह समझे कि कुल्हाड़ी वृक्षों पर नहीं वरन् उसी पर चल रही है। हमारी संस्कृति में वृक्षों पर देवताओं का वास बताया गया है एवं वृक्ष काटना भयंकर पाप बताया है। वृक्षारोपण करने को महान् पुण्य बताया है।

24. G-420, गोविन्द नगर, नई दिल्ली

27/02/2019

सचिव महोदय,

बैंकिग सेवा भर्ती बोर्ड,

दिल्ली।

विषय- लिपिक पद हेतु आवेदन-पत्र

मान्यवर,

दिनांक 23 फरवरी, 2019 के नवभारत टाइम्स समाचार पत्र (दैनिक) में प्रकाशित विज्ञापन के उत्तर में लिपिक पद के लिए अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर रहा हूँ। मेरा संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है-

नाम - गोविन्द कुमार

पिता का नाम - गौतम कुमार

जन्म तिथि - 27 नवम्बर, 1992

शैक्षिक योग्यताएँ -

X	सी.बी.एस.ई.	बोर्ड 2009	प्रथम श्रेणी
XII	सी.बी.एस.ई	बोर्ड 2011	प्रथम श्रेणी
बी.ए.	दिल्ली विश्वविद्यालय	2015	द्वितीय श्रेणी

अन्य - कंप्यूटर टाइपिंग का ज्ञान
अनुभव - एच.डी.एफ.सी. बैंक में दैनिक भोगी क्लर्क पद पर छह माह का।
आशा है कि आप मेरी योग्यताओं पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए सेवा का अवसर प्रदान करेंगे।
धन्यवाद सहित।
प्रार्थी,
गोविन्द कुमार

OR

परीक्षा भवन,
कैलाशपुरी, दिल्ली।
27 फरवरी, 2019
प्रिय मित्र गौरव,
सादर नमस्ते।
मैं आशा करता हूँ कि तुम भी सपरिवार सकुशल होगे और मैं ईश्वर से यही कामना भी करता हूँ। पिछले सप्ताह मैं विद्यालय की ओर से अपने कुछ साथियों के साथ चिड़ियाघर गया था। वहाँ मुझे सुखद अनुभव हुए जिसके बारे में मैं इस पत्र में लिख रहा हूँ। मित्र, चिड़ियाघर के प्रवेश द्वार पर टिकट खरीदकर हम अंदर गए। अंदर घुसते ही रंग-बिरंगे फूलों ने हमारा मन हर लिया। सड़क के किनारे बने पानी के गड्ढों में बतखें कलरव करती दिखीं। कुछ आगे बढ़ने पर हिरनों का झुंड मस्ती में अठखेलियाँ करता दिखा। कुछ और जानवरों को देखते हुए हम बंदरों के पिंजरे की ओर गए। उनकी हरकते देख हम अपनी हँसी न रोक सके। कुछ दूर जाते ही शेर की कृत्रिम माँद थी, जिसके बाहर शेर अलसाया सा बैठा था। दूसरे पिंजरे में बाघ और बाघिन टहल रहे थे। चिड़ियाघर के कर्मचारी हमें पिंजरे से दूर रहने की सलाह दे रहे थे। कुछ दूरी पर पेड़ के नीचे तीन जिराफ़ खड़े थे। ऐसा लगता था मानो पत्थर पर काले-सफेद धब्बे से चित्र बनाया गया है। पास से देखकर लगा वे सजीव हैं। यह दृश्य अत्यंत चित्ताकर्षक था। हम वहाँ से तीन बजे वापस आ गए। तुम सूरत आ जाओ, फिर हम साथ में चिड़ियाघर चलेंगे।
अपने माता-पिता को मेरी प्रणाम कहना पत्रोत्तर शीघ्र देना।
तुम्हारा अभिन्न मित्र,
गोविन्द सिंह

25. **मोहित** - राहुल! तुम आजकल कहाँ रहते हो? बड़े दिनों से नज़र ही नहीं आए।
राहुल - मित्र! मैं आजकल आगरा में रह रहा हूँ। तुम कहाँ रहते हो?
मोहित - पिताजी का स्थानान्तरण दिल्ली होने के कारण हम सपरिवार वहीं चले गए थे। और अब वहीं रह रहे हैं।

राहुल - तुम यहाँ कैसे और वहाँ किस विद्यालय में पढ़ते हो?

मोहित - मित्र! मैं यहाँ अपनी नानी के पास छुट्टियाँ बिताने आया हूँ। दिल्ली में मैं केंद्रीय विद्यालय में पढ़ता हूँ।

राहुल - मोहित! तुम खेल के मैदान में जाते हो?

मोहित - मित्र! मैं शाम को खेल के मैदान में जाता हूँ।

राहुल - मोहित! तुम वहाँ क्या खेलते हो?

मोहित - राहुल! मैं वहाँ मित्रों के साथ फुटबॉल खेलता हूँ।

राहुल - मुझे भी फुटबॉल खेलना अच्छा लगता है। क्या मैं आज तुम्हारे साथ खेलूँ?

मोहित - हाँ-हाँ, क्यों नहीं। चलो, हम सब साथ खेलते हैं।

OR

प्रीति - तृप्ति, आजकल पड़ोस में लाउडस्पीकर का शोर कितना बढ़ता जा रहा है।

तृप्ति - हाँ, तुम सही कह रही हो। कल मुझे गृहकार्य करना था पर शोर इतना था कि अपनी पढ़ाई पर ध्यान केन्द्रित नहीं कर पा रही थी।

प्रीति - ऐसा ही मेरा हाल था। मैं भी एकाग्रता से पढ़ाई नहीं कर पा रही थी।

तृप्ति - मैं अपने पाठ्यक्रम को ध्यान से पढ़ नहीं पाई इस कारण मेरा काम भी अधूरा ही रह गया।

प्रीति - मेरा भी हिंदी का काम छूट गया था, उसे मैंने जैसे-तैसे स्कूल जाकर पूरा किया।

तृप्ति - मैंने तो अपने माता-पिता से कहा है कि आप सोसाइटी के अध्यक्ष अरोड़ा अंकल से बात क्यों नहीं करते?

प्रीति - हाँ, जब सरकार ने ही दस बजे तक लाउडस्पीकर का प्रयोग करने की अनुमति दी है तो फिर देर रात डी.जे., लाउडस्पीकर का शोर क्यूँ?

तृप्ति - मैंने भी अपने अपने माता-पिता से यही बात कही है।

प्रीति - लाउडस्पीकर से न तो बीमार लोग आराम कर सकते हैं, न ही पढ़ने वाले बच्चे ठीक से पढ़ पाते हैं और न ही वृद्धजन शांतिपूर्वक रह पाते हैं।

तृप्ति - इस समस्या के समाधान हेतु कोई न कोई उपाय तो अब करना ही पड़ेगा नहीं तो हम इसी प्रकार परेशान होते रहेंगे।

प्रीति- तुम ठीक कह रही हो। हम दोनों मिलकर सोसाइटी के अन्य लोगों से इस विषय में बात करते हैं ताकि इस समस्या का समाधान जल्दी हो।

तृप्ति - ठीक है, मैं अभी चलती हूँ। कुछ काम बाकी है। शाम को मिलती हूँ।

प्रीति - अच्छा, मैं भी चलती हूँ।

26. **सोशल साइट्स की कहानी**

मैं आज आपको सोशल साइट्स की कहानी उनकी ही जुबानी सुनाने जा रहा हूँ।

मुझसे (सोशल साइट्स) तो आप भली भाँति परिचित होंगे। शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा, जो मेरा उपयोग आज के दौर में नहीं करता हो। मैं आप सभी के मोबाइल फोन में विभिन्न रूपों में पाया जाता हूँ। जैसे कि मेरे कुछ रूप हैं फेसबुक, व्हाट्सप्प, ट्विटर, इन्स्टाग्राम आदि। जब से मैंने आपके जीवन में प्रवेश किया, आपकी अनेक मुश्किलों का समाधान कर दिया। आप मेरे

जरिए अपने मित्रों, सगे-संबंधियों से आसानी से जुड़ सकते हैं। साथ ही आप देश-दुनिया की गतिविधियों की भी जानकारी पाते हैं। लेकिन इसके साथ कुछ लोगों ने विभिन्न रूपों में मेरा गलत इस्तेमाल किया है और इसके कारण मुझे गलत कार्यों के लिए जिम्मेदार बना दिया गया है। मैं सभी के फायदे और अच्छे के लिए ही बनाया गया था। अब ये आपके ऊपर निर्भर करता है कि आप मेरा उपयोग किसके लिए करते हैं।

OR

लॉकडाउन में गरीब

ये वाकया उस वक्त का है जब पूरे देश में कोरोना के कारण लॉकडाउन लगा हुआ था। मैं जहाँ रहता हूँ, वहाँ से थोड़ी दूर एक बस्ती है जिसमें गरीब मजदूर रहते हैं। हुआ ऐसा कि एकदिन मैं वहाँ से गुजर रहा था, तो मैंने एक झोपड़े से कुछ आवाजें सुनी। उस घर के बच्चे भूखे थे और वे खाना माँग रहे थे। मैंने पास ही खड़े एक आदमी से पूछा कि कुछ कठिनाई है क्या? मेरी बात सुनकर वो बोला कि बंदी होने के कारण सारे काम बंद हैं और काम नहीं होने के कारण हमें पैसे नहीं मिल रहे हैं।
लगभग पूरे बस्ती की यही स्थिति थी कि सभी घरों में खाने की सामग्री या तो नहीं थी या फिर बहुत कम थी। इस पर मैंने उनसे पूछा कि सरकार ने तो सभी के लिए खाने की व्यवस्था मुफ्त में की है, तो उनमें से एक ने कहा कि हम अपना राशन लेने के लिए गए थे लेकिन हमें कुछ भी नहीं मिला और हमें बताया गया कि अनाज आया ही नहीं है।
मैं और मेरे कुछ दोस्तों ने मिलकर इनकी मदद करने की ठानी। हम सभी अपने घरों से कुछ राशन लेकर आए और आस पास और लोगों को भी मदद के लिए प्रोत्साहित किया ताकि 2-3 दिन के लिए उन्हें भोजन मिल जाए। इसी बीच एक NGO ने आकर उनके भोजन की व्यवस्था करने का भरोसा दिया।